



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 299]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 4, 1990/ज्यैष्ठ 14, 1912

No. 299]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 4, 1990/JYAISTHA 14, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 मई, 1990

का.भा. 441(अ) :—बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) की धारा 30 की उपधारा (1) का खण्ड (क) उपबन्ध करता है कि प्रत्येक बहु-राज्य सहकारी सोसायटी के बोर्ड के सदस्यों का, नामनिर्देशित सदस्यों से भिन्न, निर्वाचन, यदि कोई हो, उसके सदस्यों की साधारण बैठक में विहित रीति में किया जाएगा;

और बहु-राज्य सहकारी सोसायटी (रजिस्ट्रीकरण, सत्व्यता, निदेश और प्रबन्ध, विवादों का निपटारा, अपील और पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 27 का उपनियम (1) और नियम 28 प्रत्येक बहु-राज्य सहकारी सोसायटी में निर्वाचनों के संचालन की प्रक्रिया के लिये उपबन्ध करते हैं ;

और साउथ सेट्रल रेलवे एम्प्लॉयज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, सिकन्दराबाद, जिसे बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) के अधीन रजिस्ट्रीकृत बहु-राज्य सहकारी सोसायटी समझा गया है, की उप-विधि संख्या 22 उपबन्ध करती है कि सोसायटी का प्रबन्ध निदेशक बोर्ड में निहित होगा, जो ऐसे पदेन अध्यक्ष, जो को-ऑपरेटिव सोसायटीज ग्राम्प्रादेश, हैदराबाद

के रजिस्ट्रार द्वारा रेल के महाप्रबन्धक के परामर्श से नामनिर्देशित किया गया रेल का विभागाध्यक्ष होगा, तीन निदेशकों, जो उक्त रजिस्ट्रार द्वारा सोसायटी के अध्यक्ष के परामर्श से नामनिर्देशित किए गए होंगे और 21 निदेशकों से, जो शेयरधारकों में से, जिनमें प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक-एक होगा, मिलकर बनेगा;

और उक्त 21 निदेशकों के निर्वाचन के प्रयोजन के लिये सोसायटी की सम्पूर्ण अधिकारिता 21 निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित की गई है और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक निदेशक उक्त निर्वाचन क्षेत्र के सदस्यों द्वारा उस निर्वाचन क्षेत्र के सदस्यों में से निर्वाचित किया जायेगा;

और सोसायटी किसी पदेन हैसियत में अपने अध्यक्ष के रूप में रेल पदधारी का और तीन अन्य नामनिर्दिष्ट निदेशकों का सहयोजन और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों द्वारा निदेशकों के निर्वाचन की विद्यमान पद्धति को उपयोगी समझती है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) की धारा 99 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साउथ सेट्रल रेलवे एम्प्लॉयज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, सिकन्दराबाद को उक्त अधिनियम की धारा 30 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और बहु-राज्य सहकारी सोसायटी (रजिस्ट्रीकरण, सत्व्यता, निदेश और प्रबन्ध, विवादों का निपटारा), अपील और पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 27 के उपनियम (1) और नियम 28 के उपबन्धों से छूट देती है जिससे कि उक्त सोसायटी को उसकी उपविधियों में अधिकृत रीति से मत पत्र

द्वारा बोर्ड के सदस्यों के निर्वाचनों का संचालन करने में समर्थ बनाया जा सके और उक्त सोसायटी को उक्त सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में किसी रेल पटवधारी को नामनिर्देशित करने और तीन निवेशकों को उक्त सोसायटी के रेल के पटवधारियों में से नामनिर्देशित करने की विद्यमान प्रक्रिया को अभाव में रखने में भी समर्थ बनाया जा सके।

[सं. आर.-11017/56/89-एल एण्ड एम(i)]

जे.एन.एल. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th May, 1990

S.O. 441 (E):- Whereas clause (e) of sub-section (1) of section 30 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984) provides that elections, if any, of the members of the board of every multi-State co-operative society, other than nominated members, shall be held in the general meeting of its members in the prescribed manner;

And whereas sub-rule (1) of rule 27 and rule 28 of the Multi-State Co-operative Societies (Registration, Membership, Direction and Management, Settlement of Disputes, Appeal and Revision) Rules, 1985 provide for the procedure for conduct of elections in every multi-state co-operative society;

And whereas bye-law No. 22 of the South Central Railway Employees' Co-operative Credit Society Limited, Secundrabad, a multi-state co-operative society deemed to be registered under the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984), provides that the management of the society shall vest in the Board of Directors consisting of the ex-officio President, who shall be the head of the department of Railway nominated by the Registrar of Co-operative Societies, Andhra Pradesh, Hyderabad in con-

sultation with the General Manager of Railway, three directors nominated by the said Registrar in consultation with the President of the society and twenty one directors elected from amongst the shareholders one each from the constituencies;

And whereas for the purpose of election of the said twenty-one Directors, the entire jurisdiction of the society is divided into twenty-one constituencies and one director from each constituency by the members of that constituency;

And whereas the society considers useful the association of Railway official as its President in an ex-officio capacity and three other nominated directors and the existing system of elections of the Directors by the respective constituencies;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 99 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984), the Central Government hereby exempts the South Central Railway Employees' Co-operative Credit Society Limited, Secundrabad from the provisions of clause (e) of sub-section (1) of section 30 of the said Act and sub-rule (1) of rule 27 and rule 28 of the Multi-State Co-operative Societies (Registration, Membership, Direction and Management, Settlement of Disputes, Appeal and Revision) Rules, 1985 so as to enable the said society to conduct the elections of the members of the Board by ballot in the manner laid down in the bye-laws and also to enable the said society to continue the existing procedure of having a Railway official nominated as the President of the said society and also three Directors nominated from among the officers of the Railway of the said society.

[No. R—11017/56/89—L&M (ii)]

J.N.L. SRIVASTAVA, Jt. Secy.